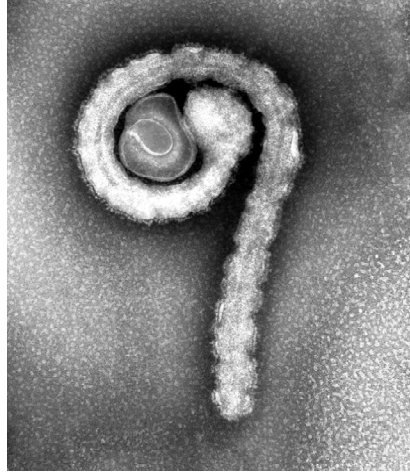


700 साल पुराना वायरस फिर सक्रिय हुआ

कनाडा के युकॉन और नॉर्थ टेरिटरी स्थित सेल्विन पर्वत के बर्फ में दबा एक वायरस प्राप्त हुआ है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एरिक डेलवार्ट और साथियों ने इस वायरस की खोज कैरिबो नामक जानवर की विष्ठा में से की है। गौरतलब है कि कैरिबो ने इस विष्ठा का त्याग 700 साल पहले किया था। कैरिबो बारहसिंगा नुमा जानवर होता है। ये सैकड़ों वर्षों तक सेल्विन पर्वतों में रहे हैं। इनकी विष्ठा पर बर्फ की परतें जमती गईं और विष्ठा संरक्षित रही।



तो डेलवार्ट और उनके साथियों ने बर्फ की 700 साल पुरानी परत में से एक वायरस प्राप्त किया। यह वायरस आजकल के *जेमिनीवायरस* जैसा है जो पौधों को संक्रमित करता है। डेलवार्ट के दल ने 700 साल पुराने इस वायरस की हूबहू प्रतिलिपि बनाई और देखा कि यह आज भी आलू के एक पौधे को संक्रमित करने में सफल रहा। पत्तियों में इसकी संख्या वृद्धि के प्रमाण मिले हैं। अर्थात् यह वायरस 'जीवित' है।

इससे सबसे पहली बात तो यह पता चलती है कि वायरस के कण अपनी जेनेटिक सूचना को काफी लंबे समय तक बचाकर रख सकते हैं। इससे यह संभावना बनती है कि कई प्राचीन वायरस आज भी पौधों, जंतुओं और शायद हमें भी संक्रमित कर सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हमें आर्क्टिक क्षेत्र में खुदाई करते समय अतिरिक्त

सावधानी बरतनी चाहिए। हो सकता है कि उसमें कोई रोगजनक वायरस छिपा बैठा हो।

दूसरी बात यह है कि धरती के गर्माने के साथ आर्क्टिक की बर्फ पिघलेगी, और हो सकता है कि ऐसे सुप्त पड़े वायरस वापिस सक्रिय हो जाएं और नई समस्याएं पैदा कर दें। अलबत्ता कई वैज्ञानिक मानते हैं कि इस तरह का खतरा सिद्धांत में ही ज्यादा है। कारण यह है कि ये वायरस तभी नुकसान कर सकते

हैं जब ये आजकल के वायरसों की तुलना में ज्यादा कारणर साबित हों।

वैसे पुनर्सक्रिय वायरसों की दुनिया का रिकॉर्ड तो फिलहाल विशाल *पिथोवायरस* के नाम है। यह वायरस साइबेरिया के पर्माफ्रॉस्ट में पाया गया था और कम से कम 30,000 साल पुराना है। इसने एक अमीबा को संक्रमित भी कर दिया था।

डेलवार्ट की खोज की एक रोचक बात यह है कि कैरिबो की जिस विष्ठा में उक्त वायरस प्राप्त हुआ उसमें खुद कैरिबो के डीएनए के बहुत ही थोड़े-से खंड बचे थे। उनका अनुमान है कि वायरस के जेनेटिक पदार्थ को बचाने में एक सख्त आवरण की भूमिका है। कैप्सिड नामक ये आवरण अत्यंत कठोर होते हैं और वायरस की अंदरूनी संरचना की हिफाजत काफी अच्छे से करते हैं। (**स्रोत फीचर्स**)